# हरियाणा विधान सभा

की

# कार्यवाही

12 जून, 2001 (द्वितीय बैठक)

खण्ड 2, अंक 3

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 12 जून, 2001


| | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| अविश्वास प्रस्ताव | |
| नियम 15 के अधीन प्रस्ताव | (3)1 |
| नियम 16 के अधीन प्रस्ताव | (3)1 |
| विधान कार्य | (3)2 |
| दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं0 3) बिल, 2001 | (3)2 |


मूल्य : 6 00

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 12 जून, 2001 (द्वितीय बैठक)

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1 चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

---

अविश्वास प्रस्ताव

**Mr. Speaker :** Hon'ble members, I have received a notice of motion of No Confidence from Sarv/shri Bhajan Lal, Capt. Ajay Singh, Bhupinder Singh Hooda, Rao Dharam Pal, Lachhman Das Arora, Mange Ram Gupta, Balbir Pal Shah, Dr. Raghubir Singh Kadian, Dharamvir Singh, Jai Parkash, Chander Mohan, Rao Narender Singh, Sher Singh, Jai Parkash Sharma, Smt. Anita Yadav, Dan Singh, Jitender Singh Malik, Shadi Lal Batra, Karan Singh Dalal and Jagjit Singh Sangwan under Rule 65 of Rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly against the Council of Ministers in Haryana which reads as under :—

> "We move a motion expressing want of confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala, Chief Minister".

The notice of motion is in order. Therefore, I admit it.

Now, I request those members who are in favour of leave being granted to move the motion, to please rise in their seats.

(At this stage less than 18 Members i.e. 17 Members rose in their seats)

Since less than 18 Members are in favour of this motion, the leave is refused.

---

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

**Mr. Speaker :** Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 15.

**Finance Minister** (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

**Mr. Speaker** Motion moved—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

**Mr. Speaker** Question is—

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

*The motion was carried.*

---

## नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

**Mr. Speaker :** Now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 16.

**Finance Minister** (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

**Mr. Speaker :** Motion moved—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine die.

*The motion was carried.*

---

## विधान कार्य

### दि हरियाणा एप्रोप्रिएशन (नं० 3) बिल, 2001

**Mr. Speaker :** Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

**Finance Minister** (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation (No. 3) Bill, 2001.

Sir, I beg to move—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

**Mr. Speaker :** Motion moved—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

**श्री भजन लाल :** स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। आप दोबारा से काऊंटिंग करवा लें। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी आप बिल पर बोलें।

**श्री भजन लाल :** स्पीकर सर, मैं अविश्वास प्रस्ताव पर बोलना चाहता हूं।

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी, हाउस में आपके 17 मैम्बर्ज ही थे इसलिए आपका नो-कान्फिडैंस मोशन गिर गया है। जय प्रकाश जी तो बाद में आए हैं, वे हाउस में नहीं थे। ये उस समय बाहर थे इसलिए इनको गिना नहीं जाएगा। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं।

**श्री भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही अन्याय और ज्यादती है। हरियाणा की जनता हमको और आपको क्या कहेगी ?

**वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह) :** स्पीकर सर, हरियाणा की जनता कहेगी कि अपोजिशन अपना वोट आफ नो-कान्फिडैंस सदन में लेकर आई थी लेकिन वह फैल्योर हो गया और यह मोशन गिर गया, हाउस में एडमिट नहीं हुआ। They should be shameful. इनको सारे हरियाणा की जनता के सामने माफी मांगनी पड़ेगी और इनको माफी मांगनी भी चाहिए क्योंकि इन्होंने अपनी ड्यूटी में कोताही बर्ती है। इनकी मैनेजमैंट टोटली फैल्योर है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** भजन लाल जी, जिस समय हाउस में काऊंटिंग हुई थी उस समय हाउस में आपके 17 मैम्बर्ज ही हाजिर थे। (शोर एवं व्यवधान)

**प्रो0 सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, यह तो इनका डिसिप्लन है। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, भिवानी और पानीपत में ये ऐसा डिसिप्लन दिखाते हैं। अब तो इन्होंने असैम्बली में यह डिसिप्लन दिखाया है। ऐसा डिसिप्लन ये बाहर दिखाते रहें उससे हमें कुछ लेना-देना नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) अब असैम्बली में भी इनका इस तरह का डिसिप्लन है। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, अगर आपने ऐसे ही करना है तो हमें यहां बैठने की क्या जरूरत है ? (शोर एवं व्यवधान)

**प्रो0 सम्पत सिंह :** अध्यक्ष महोदय, जो यहां पर हुआ है वह शो करता है इनका ग्रुपीज्म और वह शो करता है इनका फ्लौर मैनेजमैंट। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष :** चौधरी भजन लाल जी, जिस समय काऊंटिंग हो रही थी उस समय सदन में नो-कान्फिडैंस के समर्थन में केवल 17 मैम्बर्ज ही खड़े हुए थे, 18वां मैम्बर सदन में नहीं था और यह जो काऊंटिंग की गई थी यह बड़े आराम से की गई थी। (शोर एवं व्यवधान)

**श्री भजन लाल :** अध्यक्ष महोदय, आप क्या बात कर रहे हैं आप दोबारा से काऊंटिंग करवा कर देख लें। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी और चौधरी देवी लाल जी कहा करते थे कि "लोकराज" "लोकलाज" से चला करता है तो क्या यही लोकलाज है ? (शोर एवं व्यवधान)

**मुख्यमंत्री** (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : स्पीकर सर, मैं यह बात सदन में ही नहीं बल्कि सदन से बाहर भी रोज़ कहा करता था कि यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि यहां पर विपक्ष नहीं है। असलियत यह है कि हम तो इस बात के पक्षधर हैं कि विपक्ष मजबूत हो। जनतंत्र भी तभी सफल हो सकता है जब विपक्ष मजबूत एवं जागरूक हो। अध्यक्ष महोदय, आखिर जनता ने इनको यहां पर चुनकर भेजा है। अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन में भी ये नो-कांफिडैंस मोशन लेकर आए थे। इन्होंने उसको मूव भी कर दिया लेकिन गिनती से पहले ही भाग गये। इस बार ये नो-कांफिडैंस मोशन पर योजनाबद्ध तरीके से दस्तखत तो बीस मैम्बर्ज के करवाते हैं लेकिन आपस में बुरी तरह से बंटे हैं। अब ये लोगों को जाकर क्या मुंह दिखाएंगे ? जिन लोगों ने इनको चुनकर भेजा है वे अब इनसे क्या उम्मीदें रखेंगे ? अब ये तो मुंह दिखाने के लायक ही नहीं रहे हैं।

**श्री भजन लाल** : स्पीकर साइब, यह तो देश के लोग और देश के अखबार बताएंगे कि इस सरकार और आपका क्या तरीका है यह बड़ी भारी ज्यादती है मैम्बर 18 हाजिर हैं आप गिनती कर लें। (शोर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker** : Question is—

That the Haryana Appropriation (No. 3) Bill be taken into consideration at once.

*The motion was carried.*

**Mr. Speaker** : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

**Clause 2**

**Mr. Speaker** : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

**Clause 3**

**Mr. Speaker** : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

**Schedule**

**Mr. Speaker** : Question is—

That Schedule be the Schedule of the Bill.

**Clause 1**

**Mr. Speaker** : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

*The motion was carried.*

**Enacting Formula**

**Mr. Speaker :** Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

*The motion was carried.*

**Title**

**Mr. Speaker :** Question is—

That Title be the Title of the Bill.

*The motion was carried.*

**Mr. Speaker :** Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

**Finance Minister :** (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

**Mr. Speaker :** Motion moved—

That the Bill be passed.

**Mr. Speaker :** Question is—

That the Bill be passed.

*The motion was carried.*

**Mr. Speaker :** Now, the House stands adjourned sine-die.

*14.14 hrs. (The Sabha then *adjourned sine-die.)

33382—H.V.S., H.G.P., Chd.